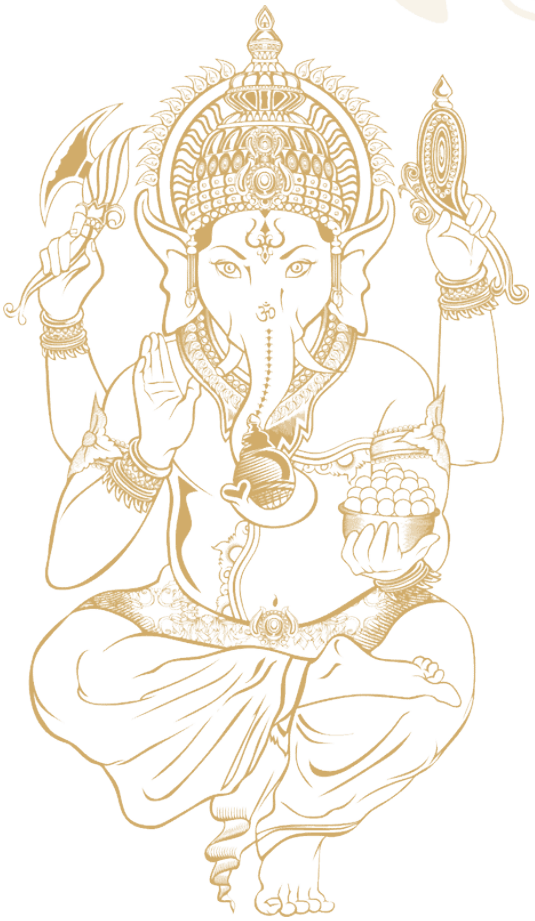

Hritavya

14 Sep 1999

05:24 AM

Sujangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121126902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/09/1999**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:24:00 घंटे**
इष्ट	57:49:31 घटी
स्थान	**Sujangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:42:00 उत्तर
रेखांश	74:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:51:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:59 घंटे
सूर्योदय	06:16:11 घंटे
सूर्यास्त	18:39:49 घंटे
दिनमान	12:23:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:53:37 सिंह
लग्न के अंश	14:28:26 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:28:26	317:01:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	26:53:37	00:58:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			तुला	14:43:40	12:12:14	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	13:18:43	00:39:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	01:37:19	01:48:19	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	10:29:00	00:03:54	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	25:06:32	00:06:48	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:08:04	00:01:34	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:25:05	00:05:56	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:25:05	00:05:56	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:37:08	00:01:44	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:58:45	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:04:25	00:00:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	13:27:08	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:57

लग्न-चलित

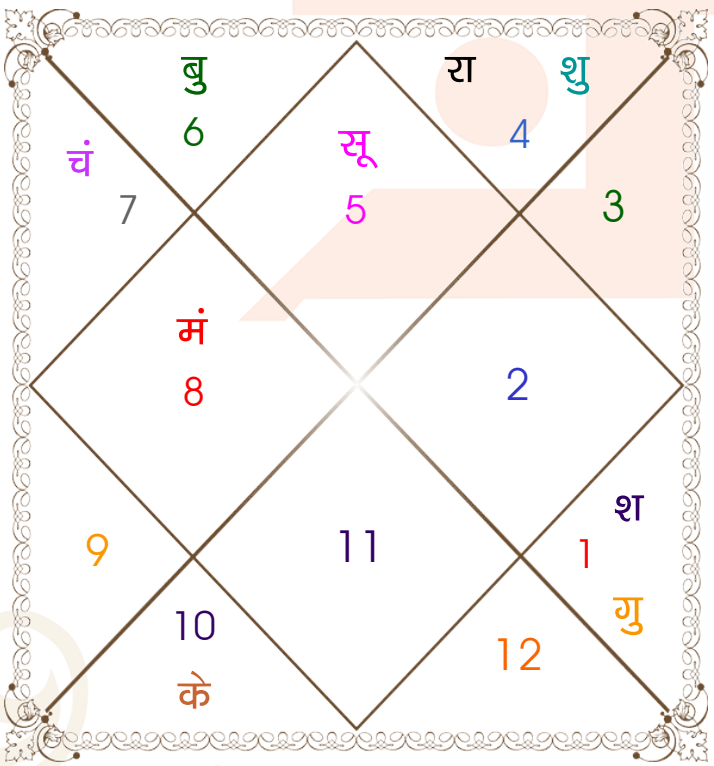

चन्द्र कुंडली

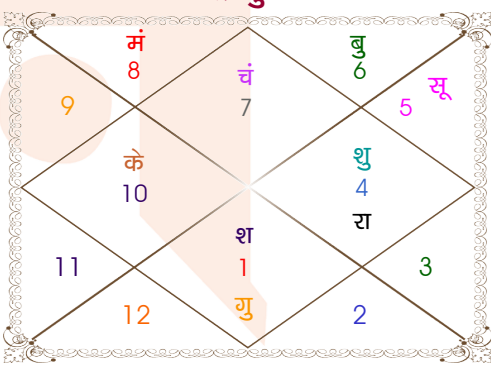

नवमांश कुंडली

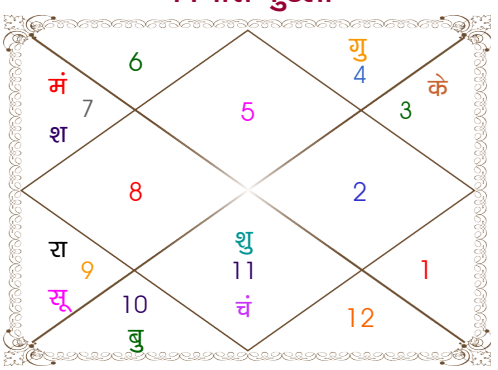

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 1 मास 12 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/09/1999		26/10/2006		26/10/2022		26/10/2041		26/10/2058	
26/10/2006		26/10/2022		26/10/2041		26/10/2058		26/10/2065	
	00/00/0000	गुरु	14/12/2008	शनि	29/10/2025	बुध	24/03/2044	केतु	24/03/2059
	00/00/0000	शनि	27/06/2011	बुध	08/07/2028	केतु	21/03/2045	शुक्र	24/05/2060
	00/00/0000	बुध	02/10/2013	केतु	17/08/2029	शुक्र	20/01/2048	सूर्य	28/09/2060
	14/09/1999	केतु	08/09/2014	शुक्र	17/10/2032	सूर्य	25/11/2048	चंद्र	30/04/2061
केतु	14/05/2000	शुक्र	09/05/2017	सूर्य	29/09/2033	चंद्र	27/04/2050	मंगल	26/09/2061
शुक्र	15/05/2003	सूर्य	25/02/2018	चंद्र	30/04/2035	मंगल	24/04/2051	राहु	14/10/2062
सूर्य	08/04/2004	चंद्र	27/06/2019	मंगल	08/06/2036	राहु	10/11/2053	गुरु	20/09/2063
चंद्र	08/10/2005	मंगल	02/06/2020	राहु	15/04/2039	गुरु	16/02/2056	शनि	29/10/2064
मंगल	26/10/2006	राहु	26/10/2022	गुरु	26/10/2041	शनि	26/10/2058	बुध	26/10/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/10/2065		26/10/2085		27/10/2091		27/10/2101		27/10/2108	
26/10/2085		27/10/2091		27/10/2101		27/10/2108		00/00/0000	
शुक्र	25/02/2069	सूर्य	13/02/2086	चंद्र	26/08/2092	मंगल	25/03/2102	राहु	10/07/2111
सूर्य	25/02/2070	चंद्र	14/08/2086	मंगल	27/03/2093	राहु	13/04/2103	गुरु	03/12/2113
चंद्र	27/10/2071	मंगल	20/12/2086	राहु	26/09/2094	गुरु	19/03/2104	शनि	09/10/2116
मंगल	26/12/2072	राहु	14/11/2087	गुरु	26/01/2096	शनि	27/04/2105	बुध	28/04/2119
राहु	26/12/2075	गुरु	01/09/2088	शनि	26/08/2097	बुध	25/04/2106	केतु	15/09/2119
गुरु	26/08/2078	शनि	14/08/2089	बुध	26/01/2099	केतु	21/09/2106		00/00/0000
शनि	26/10/2081	बुध	21/06/2090	केतु	27/08/2099	शुक्र	21/11/2107		00/00/0000
बुध	26/08/2084	केतु	26/10/2090	शुक्र	27/04/2101	सूर्य	28/03/2108		00/00/0000
केतु	26/10/2085	शुक्र	27/10/2091	सूर्य	27/10/2101	चंद्र	27/10/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।